शीला देवी और विनीता दीदी

साथ में हम लोग

नाबार्ड

आई.एस.एम.डब्ल्यू

वित्तीय समावेशन, एक आकांक्षा व प्रतिश्रुति
Financial Inclusion, an aspiration and a pledge

प्रायोजन व परिकल्पना : नाबार्ड, पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता
Production and Conceptualization:
NABARD, West Bengal, Regional Office, Kolkata

प्रारूपन एंव प्रकाशन : आईएसएमडब्ल्यु, कोलकाता क्षेत्रीय केन्द्र
Formulation and Publication:
ISMW, Kolkata Regional Centre

कॉपीराइट सुरक्षित : नाबार्ड, पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता
Copyright Reserved:
NABARD, West Bengal, Regional Office, Kolkata

मूल प्रकाशन (बंगला में) : 14 जुलाई 2009, मंगलवार
प्रथम प्रकाशन (हिन्दी में) : नवंबर 2009

Designed and Printed by:
Publicity Forum, 16 R.N.Mukherjee Road, Kolkata-1
Ph. 033 2248 5273 / 74 E-mail: pforum39@yahoo.co.in

संदेश

भारत सदियों से कृषि प्रधान देश रहा है और आज भी ग्रामीण भारत का बहुत बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर है। देश के सर्वांगीण ग्रामीण व आर्थिक विकास के लिए नाबार्ड कटिबद्ध है। एक सुंदर सुदृढ़ और प्रगतिशील भारत के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में नाबार्ड ने अनेक कदम उठाए हैं। समावेशी प्रगति के लिए प्रत्येक ग्रामीण परिवार को संस्थागत वित्तीय सेवाओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। संस्थागत वित्तीय सेवाओं की बुनियादी जानकारी का अभाव बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभर आई है। जीवन को सफल बनाने के लिए धन के सही उपयोग को समझना व जानना बेहद ज़रूरी है। धन के सही उपयोग की जानकारी आर्थिक साक्षरता की नींव है। ग्रामीण क्षेत्र में रहनेवाले परिवारों तक यह जानकारी पहुँचाने के लिए हमारे पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय कार्यालय ने ***शीला देवी और विनीता दीदी*** की संकल्पना की है। आर्थिक साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह पुस्तिका अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी। पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय कार्यालय की इस पहल के लिए मैं उन्हे बधाई देता हूँ।

मुझे विश्वास है, आर्थिक साक्षरता व वित्तीय समावेशन में संलग्न बुनियादी स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ता, गैर-सरकारी संगठन, सरकारी विभाग, बैंकों आदि के लिए यह पुस्तिका सहायक सिद्ध होगी।

कृ. गो. करमाकर

(डॉ कृष्ण गोपाल करमाकर)
प्रबंध निदेशक, नाबार्ड

प्राक्कथन

प्रिय मित्रों

प्राचीन युग से हमारे देश में सामाजिक समस्यों को दूर करने के लिए संतो, गुरुओं और महापुरुषों ने कथाओं, कविताओं, चित्र कथाओं आदि के माध्यम से संदेश देना प्रभावी समझा है। समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा वित्तीय सेवाओं के बाहर रहना आज देश की आर्थिक विकास के लिए एक चुनौती का रूप ले चुका है। वित्तीय सेवाओं के माध्यम से आर्थिक विकास की संभावना के प्रति सामान्य ग्रामीण जनता की जागरूकता के अभाव ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। नाबार्ड अपने जनादेश को साकार करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा है।

वित्तीय समावेशन और आर्थिक साक्षरता की दिशा में नाबार्ड अनेक उपाय कर रहा है। 'शीला देवी और विनीता दीदी' वित्तीय समावेशन और आर्थिक साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर एक प्रभावी प्रयास है। इस चित्र-कथा-पुस्तिका में कहानी, कविता और चित्रों के माध्यम से बचत, उधार, बीमा इत्यादि वित्तीय सेवाओं की जानकारी सरल रूप से प्रस्तुत की गई है।

हमें आशा है, यह एक छोटा-सा कदम वित्तीय समावेशन और आर्थिक साक्षरता की लंबी यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस परियोजना को साकार करने के हमारे प्रयास में 'इंडियन स्कूल ऑफ़ माइक्रो फ़ाइनांस फ़ार विमेन', कोलकाता केंद्र के योगदान के प्रति हम आभारी हैं।

पी मोहन

(पी मोहनय्या)
मुख्य महाप्रबंधक

नाबार्ड के कार्य

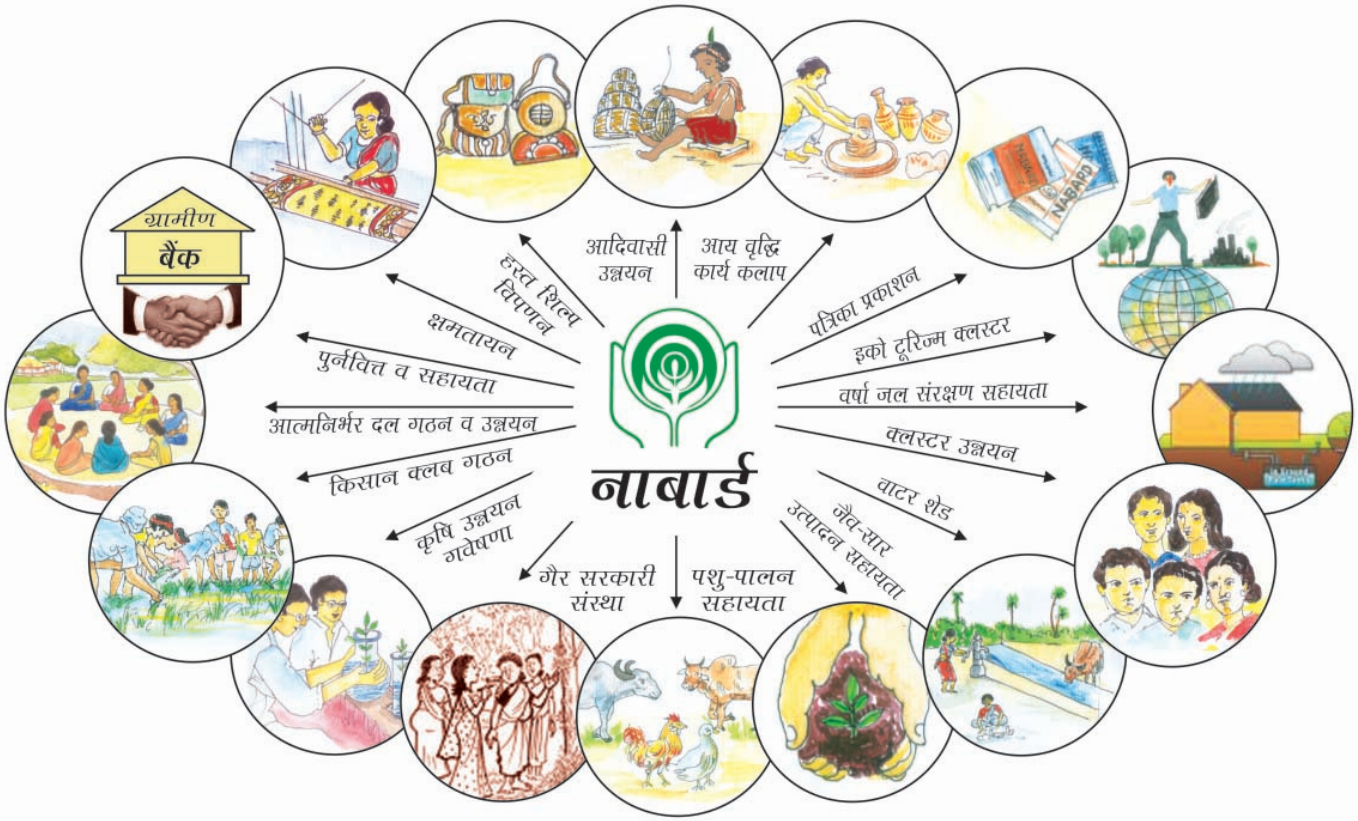
ग्रामीण
बैंक
आदिवासी उन्नयन
आय वृद्धि कार्य कलाप
हस्त शिल्प विपणन
क्षमतायन
पुर्नवित्त व सहायता
आत्मनिर्भर दल गठन व उन्नयन
किसान क्लब गठन
कृषि उन्नयन गवेषणा
पत्रिका प्रकाशन
इको टूरिज्म क्लस्टर
वर्षा जल संरक्षण सहायता
क्लस्टर उन्नयन
वाटर शेड
जैव-सार उत्पादन सहायता
पशु-पालन सहायता
गैर सरकारी संस्था
नाबार्ड
NABARD

एक छोटे गाँव की लक्ष्मी बहू शीला

शीला का पति
दुकानदार है

शीला का परिवार बहुत गरीब है

मैं विनीता दीदी
तुम्हें रास्ता
दिखाऊँगी

रुपये का उपयोग सीखना होगा, शीला।

हमारी शीला देवी का क्या होगा विनीता दीदी ? उसके पति की मौत हो गई...

2

सोच-समझ कर खर्च करो जीने के लिए भी कुछ धरो

ओ विनीता दीदी। मैंने सबकुछ नहीं बेचा। किसी तरह नियम की रक्षा की है। मैं व्यवसाय करूँगी। अपने बच्चे को बचाऊँगी।

समूह से उधार लिया

रास्ते के मोड़ पर मैं सब्जी लेकर बैठ गई

किन्तु!!

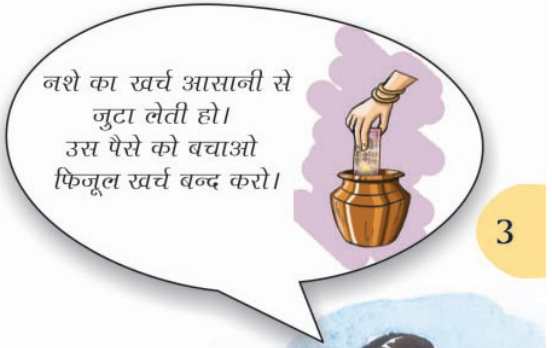

ये सब करके कर्ज़ कैसे चुकाऊँगी ?

मन के दुखों से नशे की आदत लग गई है, विनीता दीदी!

इस तरह से पैसे बचाओ, समयानुसार सब खर्च निभाओ

यही होगा, विनीता दीदी! रोज 2/- रुपये तो बचेंगे! पर.....

खाता खोलने का कैम्प लगा है। सब-चलो। सब कुछ जानना होगा समझना होगा।

ओ विनीता दीदी! मुझे तो दिनभर काम करना पड़ता है, बैंक में कब जाऊँगी ?

बैंक में न जाकर भी बैंक के काम किये जा सकते हैं।

विनीता दीदी विनीता दीदी। शीला महाजन के पास रुपये उधार लेने गई है।

मेरा बच्चा बीमार है
रुपयों की बहुत ज़रूरत है

भजन बाबु एक बार में ही
रुपये देते हैं।

तुम क्यों गई? क्या हम मर गए थे?

समूह मीटिंग बुलायेगा

रुपये मिलने में
देर लगेगी

क्या तुम जानती हो ?

हफ़्ते में एक बार आता है

रवि
शनि
शुक्र
वृह
बुध
मंगल
सोम

एकमात्र भजन बाबु ही
हाथों-हाथ रुपये देते हैं।

ग़रीबों के लिए एक वरदान
है जी.सी.सी.

जी.सी.सी.
G.C.C

इसके माध्यम से तुम्हें रु.25000 तक
अति सहजता से लोन मिल सकता है।

हाथों-हाथ लोन पाने का नया उपाय जी.सी.सी.

5% सूद में 10,000 रुपये उधार ली हूँ विनीता दीदी !

12महीने में उधार चुकाना है।
हर महीने रु.500
करके सूद भरना है।

= रु.6,000/- सूद

एक साल बाद
कुल मिलाकर रु.16,000
वापस करना होगा

तुम **सामान्य दर** पर सूद भर रही हो
और एक तरीका है जिसमें सूद हर महीनें में घट जाएगा।
इसको **घटी हुई दर** से सूद भरना कहते हैं।

= रु.3,560/- सूद

जिसमें एक साल बाद
कुल मिलाकर
रु.13,560 वापस करना होगा

वाह! यह तो अच्छा तरीका है,
कहाँ से उधार लेने पर मैं
इस तरीके से सूद भर सकती हूँ ?

से

और कुछ कुछ **MFI** भी ऐसे ही सूद लेते हैं

सोच-समझ कर उधार लो, जिसको चुकाना आसान हो

बेटा बीमार है, शीला रोती है, रुपये नहीं है।

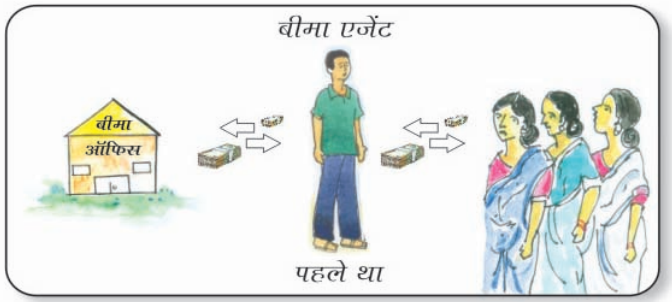

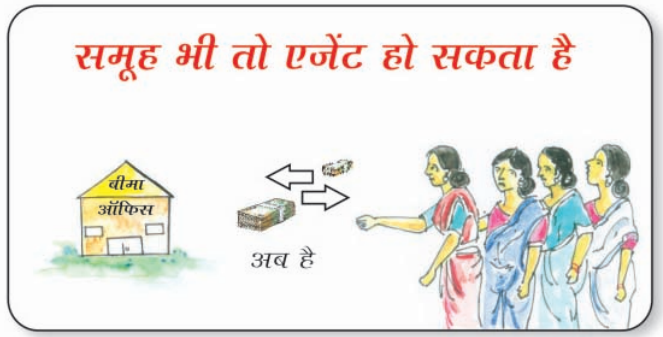

हाँ! हम कर सकते हैं। हमलोग मिलजुलकर सब कुछ कर सकते हैं।

माँ को रुपये भेजना अब एकदम आसान

ऑफिस
बहुत दूर है

अब बड़ा हो चुका हूँ
माँ को रुपये भेजने होंगे

माँ बहुत दूर है

सीख लो तुम्हारा बेटा
किस तरह रुपये भेजेगा ?

बैंक की एक शाखा में बेटे ने दिये रुपये हजार,
वही रुपया माँ के खाते में हुआ कंप्यूटर से पार।
एक ही क्षण में तय करता है रास्ता हज़ारों मील,
बेटे के रुपये माँ के खाते में मिलाते दोनों दिल।

रुपयों की है सहज गति देश के कोने-कोने में, जागरूकता फैलायेंगे देश के जन-जन में
बुलायेंगे हम सभी को खाता खोलने के कैंप में।

समझ लो रुपये का व्यवहार

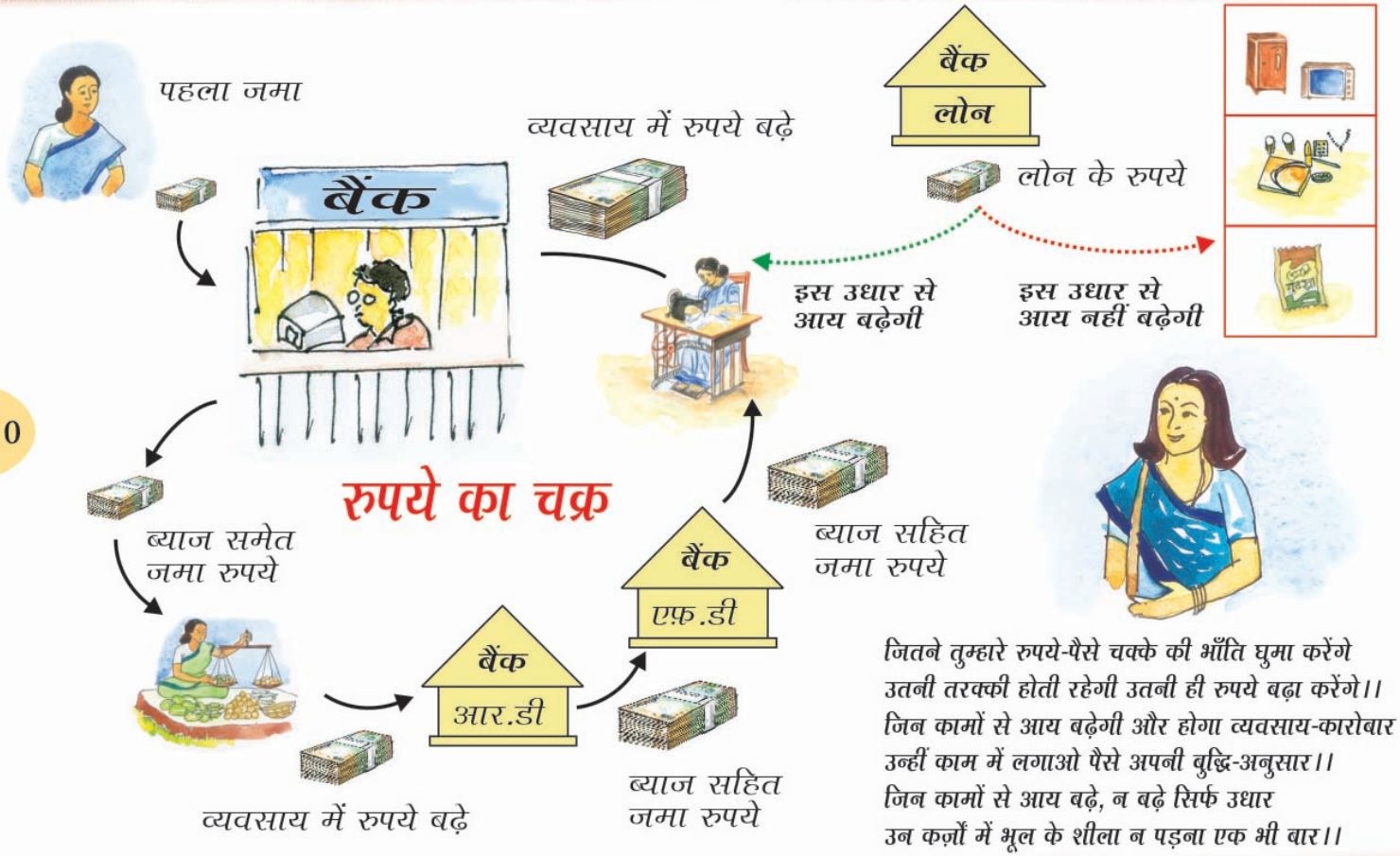

जितने तुम्हारे रुपये-पैसे चक्के की भाँति घुमा करेंगे
उतनी तरक्की होती रहेगी उतनी ही रुपये बढ़ा करेंगे।।
जिन कामों से आय बढ़ेगी और होगा व्यवसाय-कारोबार
उन्हीं काम में लगाओ पैसे अपनी बुद्धि-अनुसार।।
जिन कामों से आय बढ़े, न बढ़े सिर्फ उधार
उन कर्ज़ों में भूल के शीला न पड़ना एक भी बार।।

यदि तुम और अधिक जानना चाहो -- सब मिलकर खाता खोलने के कैंप में चले आओ

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

"अभिलाषा" द्वितीय तल, 6, रॉयड स्ट्रीट, कोलकाता-700 016
दूरभाषः (033) 2255 2255, (विस्तारः 367) फैक्सः (033) 2249 4507
वेबसाइटः www.nabard.org

सिटी सेंटर फ़ॉर फ़ाइनांशियल लिटरसी

इंडियन स्कूल ऑफ़ माइक्रो फ़ाइनांस फ़ार विमेन

कोलकाता केन्द्र
"विलेज टॉवर" एफ-15, गीतांजलि पार्क, 18/3ए, कुमुद घोषाल रोड,
आरियादह, कोलकाता-700 057, दूरभाषः 9831562340
वेबसाइटः www.ismw.org.in

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

"अभिलाषा" द्वितीय तल, 6, रॉयड स्ट्रीट, कोलकाता-700 016
दूरभाषः (033) 2255 2255, (विस्तारः 367) फैक्सः (033) 2249 4507
वेबसाइटः www.nabard.org

सिटी सेंटर फ़ॉर फ़ाइनांशियल लिटरसी

इंडियन स्कूल ऑफ़ माइक्रो फ़ाइनांस फ़ार विमेन

कोलकाता केन्द्र
"विलेज टॉवर" एफ-15, गीतांजलि पार्क, 18/3ए, कुमुद घोषाल रोड,
आरियादह, कोलकाता-700 057, दूरभाषः 9831562340
वेबसाइटः www.ismw.org.in